

मुसलमान भाइयों, बहनों, बुजुर्गों और बच्चों के नाम पत्र



“यह पत्र मैं अपने सभी मुसलमान भाइयों, बहनों, बुजुर्गों और बच्चों के नाम लिख रहा हूँ। चुनाव का समय है। आपको लगेगा कि मैं वोट मांगने आया हूँ। हाँ, मैं बिलकुल वोट मांगने आया हूँ। मैं चाहता हूँ कि दिल्ली के मुसलमान आने वाले विधानसभा चुनावों में ‘आम आदमी पार्टी’ को वोट दें। पर मैं वोट सत्ता या पैसा हासिल करने के लिए नहीं मांग रहा। हम आज की गंदी राजनीति को खत्म करके एक भ्रष्टाचार मुक्त भारत का निर्माण करना चाहते हैं, जहाँ सभी धर्मों के लोग सुख-शांति और अमन-चैन के साथ रह सकें।”

— अरविंद केजरीवाल

मेरे प्यारे भाइयों, बहनों, बुजुर्गों और बच्चों,

पिछले 65 सालों में हमारे देश के मुसलमान कांग्रेस को वोट देते आए हैं। कांग्रेस को वोट देना मुसलमानों की मजबूरी थी। हर बार चुनावों में मुसलमानों को बीजेपी का डर दिखाया जाता है। “कहीं बीजेपी सत्ता में ना आ जाए”— इस डर से मुसलमान कांग्रेस को हर बार वोट देता है।

कांग्रेस ने 65 सालों में मुसलमानों को क्या दिया? सच्चर कमिटी को लागू नहीं किया, लगभग 65 हज़ार छोटे-बड़े दंगे, पिछड़े हुए उर्दू माध्यम स्कूल, मदरसों की बदहाली, सलाखों के पीछे सड़ते निर्दोष मुस्लिम युवा, भ्रष्ट वक्फ बोर्ड, आरक्षण का झुंझुना, निष्ठुर एवं निटल्ला अल्प संख्यक आयोग। जितना बड़ा धोखा भारतीय मुसलमानों के साथ कांग्रेस पार्टी ने किया है, किसी और ने नहीं किया। कांग्रेस ने मुसलमानों को जानबूझकर पिछड़ा रखा ताकि उन्हें वोट बैंक की तरह इस्तेमाल किया जा सके।

आज हमारे देश का मुसलमान दहशत में रहता है। अपने ही मुल्क में, अपने ही घर में मुसलमानों के साथ किरायेदार जैसा सलूक क्यों होता है? कई मुसलमान युवाओं को झूठे मामलों में फंसाकर कई-कई सालों तक जेलों में रखा जाता है और फिर छोड़ दिया जाता है क्योंकि सरकार के पास कोई सबूत नहीं होता। उस युवा की सोचिए जो बेगुनाह था और जिसे 10 साल जेल में रखने के बाद छोड़ दिया गया। उसकी तो जिंदगी बर्बाद हो जाती है। उसका परिवार बर्बाद हो जाता है। छूटने के बाद कोई उसे नौकरी नहीं देता, उसकी बहन से कोई शादी नहीं करता। यह कहानी हज़ारों

मुसलमान युवाओं की है।

आज केन्द्र में और दिल्ली में दोनों जगह कांग्रेस की सरकार है। अगर कांग्रेस मुसलमानों की हिमायती है तो मुसलमानों को गलत केंसों में क्यों फंसाया जाता है?

पर कसूर हमारा है। हम सियासतदानों के बहकावे में क्यों आते हैं? 1984 में दिल्ली में सिखों का कत्लेआम हुआ तो सभी सिखों ने बीजेपी का दामन थाम लिया। 2002 में गुजरात में मुसलमानों का कत्लेआम हुआ तो मुसलमानों ने कांग्रेस का हाथ थाम लिया। कश्मीर के एक हिस्से में हिंदुओं के साथ ज्यादतियां हुईं और उड़ीसा में ईसाइयों का कत्लेआम हुआ। हमने जाकर अलग-अलग पार्टियों का दामन थाम लिया। लेकिन इन पार्टियों ने हमें वोट बैंक की तरह इस्तेमाल करने के सिवा हमारा कोई भला नहीं किया। कांग्रेस ने मुसलमानों का कोई भला नहीं किया और भाजपा ने सिखों का कोई भला नहीं किया।

मुझे समझ में नहीं आता कि हम सभी धर्मों के लोग एक साथ इकट्ठे क्यों नहीं हो जाते? ये पार्टियां हमें बांट कर अपनी राजनीति करती हैं। आम आदमी पार्टी इस गंदी राजनीति को खत्म करना चाहती है। और सभी धर्म के लोगों को एकजुट करना चाहती है। आम आदमी पार्टी इस देश में दंगे बंद करके अमन और चैन कायम करना चाहती है। आम आदमी पार्टी मुसलमानों को बराबर का हक़ दिलाना चाहती है, उन्हें सुरक्षा देना चाहती है और उनके मन से दहशत दूर करना चाहती है।

आम आदमी पार्टी मुसलमानों के लिए क्या करेगी?

1 कानून व्यवस्था: दिल्ली की कानून व्यवस्था दुरूस्त की जाएगी। बेबस एवं बेगुनाह लोगों को झूठे मामलों में फंसाने की वारदातों को बिल्कुल बंद किया जाएगा। अगर कोई पुलिस वाला किसी बेगुनाह को झूठे केस में फंसाता है तो उस पुलिस वाले के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। न्याय व्यवस्था को दुरूस्त किया जाएगा ताकि किसी भी केस का फैसला 6 महीने से एक साल में आ सके। अगर कोई दोषी है तो उसे सजा दी जाए। निर्दोष व्यक्ति को 10 साल तक जेल में न सड़ना पड़े और उसे 1 साल में ही रिहा कर दिया जाए। इससे मुसलमानों में दहशत का माहौल बंद होगा और वो सुकून की जिंदगी जी सकेंगे।

2 अच्छी और मुफ्त शिक्षा: आज़ादी के 66 वर्षों के बाद भी कई मुसलमान बहुत गरीब हैं। गरीब होने की वजह से वो अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में भेजते हैं। सरकारी स्कूलों में पढ़ाई की हालत बेहद खराब है। सरकारी स्कूलों में शिक्षा के स्तर को सुधारना ‘आम आदमी

पार्टी’ की सबसे पहली प्राथमिकता होगी। इसके लिए चाहे कितना भी पैसा खर्च करना पड़े। सरकारी स्कूलों की शिक्षा को प्राइवेट स्कूलों से भी बेहतर बनाया जाएगा। इसके लिए कई नये स्कूल भी खोले जाएंगे। जब गरीब मुसलमान और अन्य सभी धर्मों के गरीब बच्चों को अच्छी शिक्षा मिलेगी तो उन्हें बेहतर रोज़गार मिलेंगे और उनके जीवन स्तर में सुधार होगा।

3 उर्दू भाषा: उर्दू भाषा को सभी स्कूलों में वैकल्पिक भाषा के रूप में लागू किया जाएगा।

4 बिजली: शीला दीक्षित ने दिल्ली में बिजली इतनी महंगी कर दी है कि आम आदमी के लिए बिजली के बिल भरना नामुमकिन हो गया है। ‘आम आदमी पार्टी’ दिल्ली में बिजली के दाम आधे करेगी। जिन घरेलू कनेक्शनों पर बिजली चोरी के मामले हैं वो खारिज किए जाएंगे।

5 मुफ्त पानी: शीला दीक्षित ने दिल्ली में पानी इतना महंगा कर

दिया है कि आम लोगों के लिए बिल भरना मुश्किल हो गया। कई इलाकों में तो पानी आता ही नहीं है। कई इलाकों में गंदा पानी आता है। घर-घर तक साफ पानी मुफ्त पहुंचाया जाएगा। सभी बकाया पानी के बिल माफ किए जाएंगे और भविष्य में हर घर को 700 लीटर पानी प्रतिदिन मुफ्त दिया जाएगा।

6 अस्पताल: सरकारी अस्पतालों की हालत बहुत खराब है। घर में कोई बीमार हो जाए तो प्राइवेट अस्पताल ले जाना पड़ता है जो कि बेहद महंगे हैं। सरकारी अस्पतालों को प्राइवेट अस्पतालों से भी बेहतर बनाया जाएगा। वहां सभी को मुफ्त इलाज और दवाइयां मिलेंगी।

7 रिश्वतखोरी: एक आम आदमी को सरकारी विभाग में रिश्वत

देनी पड़ती है। रिश्वतखोरी बंद करने के लिए अन्ना हजारे वाला जनलोकपाल 15 दिन में पास किया जायेगा। भ्रष्ट नेताओं को 6 महीने में जेल भेजा जायेगा।

8 पुलिस की दादागिरी: आज पिछड़े और कम पढ़े-लिखे होने की वजह से मुसलमान छोटे-मोटे कारोबार, रेढ़ी-पटरी आदि लगाकर अपना गुज़र-बसर करते हैं। जिसके लिए पुलिस उनसे पैसा वसूलती है। पुलिस की गुंडागर्दी बंद की जायेगी। कानून पास करके गरीब आदमी को ईमानदारी से काम करने की इजाजत दी जायेगी।

9 वक्फ बोर्ड: दिल्ली वक्फ बोर्ड को सरकारी दलालों के चंगुल से छुड़ाया जायेगा।

आम आदमी पार्टी पर क्यों विश्वास करें?

आपके मन में प्रश्न उठेगा कि आम आदमी पार्टी पर क्यों भरोसा करें? क्या गारंटी है कि सत्ता में आने के बाद आम आदमी पार्टी दूसरों की तरह बदल नहीं जाएगी? आपका यह प्रश्न पूछना बिल्कुल वाजिब है। पर आम आदमी पार्टी दूसरी पार्टियों की तरह नहीं है। कैसे?

1 आम आदमी पार्टी भ्रष्टाचार के खिलाफ दो वर्ष तक चले लंबे संघर्ष के बाद बनी है। आम आदमी पार्टी का जन्म अन्य पार्टियों की तरह सत्ता पाने के लिए नहीं बल्कि देश से भ्रष्टाचार दूर करने और सभी धर्मों के बीच अमन-चैन और बराबरी कायम करने के लिए हुआ है।

2 मैं खुद भी राजनीति में सत्ता पाने या पैसा कमाने नहीं आया। मैं इन्कम टैक्स में कमिश्नर की नौकरी करता था। चाहता तो करोड़ों रूपये कमा सकता था। लेकिन एक पैसा भी नहीं कमाया। हम पैसा कमाने नहीं, इंसान कमाने आए हैं। हम मुल्क बदलने आए हैं।

3 पिछले एक साल में मैंने दो बार लम्बे-लम्बे अनशन किये। पिछले साल 15 भ्रष्ट मंत्रियों को जेल भिजवाने के लिए 10 दिनों का अनशन किया। 10 दिनों तक केवल पानी पीकर जिंदा रहा। इस साल मार्च के महीने में बिजली और पानी के बढ़े हुए बिलों को कम कराने के लिए 15 दिनों तक भूखा रहा। सत्ता और पैसे का लालची आदमी कभी इतने दिनों तक भूखा नहीं रहता।

4 दूसरी सभी पार्टियां देश को लूटने में एक दूसरे से मिली हुई हैं। कहने को भाजपा और कांग्रेस अलग-अलग है लेकिन अंदर ही अंदर दोनों पार्टियों में अच्छा तालमेल है। पिछले साल मैंने सोनिया गांधी के दामाद, रॉबर्ट वाड्रा के भ्रष्टाचार का खुलासा किया। क्या ये आश्चर्य की बात नहीं है कि आज तक भाजपा ने उसका खुलासा नहीं किया था? मुझे कुछ जानकार लोगों ने बताया कि भाजपा के बड़े नेताओं के पास रॉबर्ट वाड्रा के सभी कागज़ डेढ़ साल पहले से थे। लेकिन भाजपा ने सारे कागज़ दबा दिए। मैंने पिछले साल दिसंबर में नरेंद्र मोदी के 10 हजार करोड़ से ज्यादा के भ्रष्टाचार का खुलासा किया। ये सभी कागज़ कांग्रेस के पास पहले से मौजूद थे। लेकिन कांग्रेस ने मोदी के भ्रष्टाचार के खिलाफ कभी आवाज़ नहीं उठाई। ये दोनों पार्टियां मिली हुई हैं और हम लोगों को बेवकूफ बनाती हैं। आम आदमी पार्टी ने पहली बार नरेंद्र मोदी और रॉबर्ट वाड्रा जैसे शक्तिशाली लोगों के भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज़ उठाने की हिम्मत की है।

5 देश के जानेमाने वकील प्रशांत भूषण जैसे लोग आम आदमी पार्टी के अहम सदस्य हैं। मुसलमानों को हक दिलवाने के लिए उन्होंने कई लड़ाइयां लड़ी हैं। गुजरात में कई मुसलमानों को फर्जी मुठभेड़ों में मार डाला गया। इसी तरह इशरत जहां को भी फर्जी इंकाउटर में मार दिया गया। प्रशांत भूषण ने इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में केस किया है। वो आज भी बाटला हाउस के झूठे एनकाउटर के खिलाफ कोर्ट में इंसाफ की लड़ाई लड़ रहे हैं। यह सब उन्होंने सत्ता और पैसा पाने के लिए नहीं किया। इसलिए आम आदमी पार्टी दूसरी पार्टियों से भिन्न है।

6 'आम आदमी पार्टी' देश की राजनीति बदलना चाहती है। इसीलिए हमने तय किया है कि हम किसी भी आपराधिक छवि वाले व्यक्ति को टिकट नहीं देंगे। एक परिवार से एक ही व्यक्ति को टिकट मिलेगा। हमारी पार्टी का कोई भी मंत्री लाल बत्ती की गाड़ी नहीं लेगा, बड़ा बंगला नहीं लेगा और कोई सुरक्षा नहीं लेगा। 'आम आदमी पार्टी' का मंत्री आम लोगों के बीच आम लोगों की तरह रहेगा।

'आम आदमी पार्टी' - मुसलमानों की आखिरी उम्मीद

आज सारे देश के लोग कह रहे हैं कि आम आदमी पार्टी वालों की नीयत तो साफ है। दूसरी पार्टियों की नीयत खराब है। अगर कांग्रेस और भाजपा की सरकार बनती है, तो देश लुटता रहेगा, दंगे होते रहेंगे और आम आदमी पिसता रहेगा। लेकिन अगर आम आदमी पार्टी की सरकार बनती है तो देश से भ्रष्टाचार दूर करने और सभी धर्मों के बीच अमन-चैन कायम करने का एक ईमानदार प्रयास किया जाएगा।

दिल्ली में कांग्रेस पार्टी के खिलाफ जबर्दस्त आक्रोश है। विभिन्न सर्वे दिखाते हैं कि कांग्रेस बुरी तरह से हार रही है। कांग्रेस को वोट देने का मतलब है अपना वोट बेकार करना। और रही बात भाजपा की तो भाजपा सांप्रदायिक पार्टी है। आज तक मुसलमानों के पास विकल्प नहीं था। लेकिन अब मुसलमानों के पास एक ईमानदार और सेक्यूलर विकल्प है। इसलिए दिल्ली के सभी मुसलमानों से अपील है कि आइए आम आदमी पार्टी के साथ मिलकर साफ सुथरी नई राजनीति की शुरुआत करें और किसी के धोखे में न आए जैसा कि पिछले 65 सालों से आपके साथ होता आया है।

आम आदमी पार्टी

لئے پانی کا بل ادا کرنا بھی مشکل ہو گیا ہے۔ کئی علاقوں میں تو پانی آتا ہی نہیں ہے۔ کئی علاقوں میں گندرا پانی آتا ہے۔ اس لئے گھر گھر تک صاف پانی مفت پہنچایا جائے گا۔ پانی کے بل سے متعلق سبھی بقایے معاف کئے جائیں گے اور مستقبل میں ہر گھر کو 700 لیٹر پانی روزانہ مفت دیا جائے گا۔

6 اسپتال: سرکاری اسپتالوں کی حالت بہت خراب ہے۔ گھر میں کوئی بیمار ہو جائے تو پرائیوٹ اسپتال میں لے جانا پڑتا ہے جو بے حد مہنگے ہیں۔ سرکاری اسپتالوں کو پرائیوٹ اسپتالوں سے بھی بہتر بنایا جائے گا۔ وہاں سبھی کو مفت علاج اور دوائیاں ملیں گی۔

7 رشوت خوری: ایک عام آدمی کو سرکاری دفاتروں میں رشوت دینی پڑتی

ہے۔ رشوت خوری بند کرنے کے لئے اٹا ہزارے والا جن لوگ پال 15 دن میں پاس کیا جائے گا۔ بدعنوان سیاست دانوں کو 6 مہینے میں جیل بھیجا جائے گا۔

8 پولس کی غنڈہ گردی: آج چھڑے اور کم پڑھے لکھے ہونے کی وجہ سے مسلمان چھوٹے موٹے کاروبار، ریڑھی پٹری وغیرہ لگا کر اپنا گذر بسر کرتے ہیں۔ جس کے لئے پولیس ان سے پیسہ وصولی ہے۔ پولیس کی غنڈہ گردی بند کی جائے گی۔ قانون پاس کر کے غریب آدمی کو ایمانداری سے کام کرنے کی اجازت دی جائے گی۔

9 وقف بورڈ: دہلی وقف بورڈ کو سرکاری دلالوں کے چنگل سے چھڑایا جائے گا۔

عام آدمی پارٹی پر کیوں اعتماد کریں؟

آپ کے من میں سوال اٹھے گا کہ عام آدمی پارٹی پر کیوں بھروسہ کریں؟ کیا گارنٹی ہے کہ اقتدار میں آنے کے بعد عام آدمی پارٹی دوسروں کی طرح بدل نہیں جائے گی؟ آپ کا یہ سوال پوچھنا بالکل واجب ہے۔ لیکن عام آدمی پارٹی دوسری پارٹیوں کی طرح نہیں ہے۔ کیسے؟

1 عام آدمی پارٹی بدعنوانی کے خلاف دو برس تک چلی لمبی جدوجہد کے بعد بنی ہے۔ عام آدمی پارٹی کی تشکیل دیگر پارٹیوں کی طرح اقتدار پانے کے لئے نہیں بلکہ دلش سے بدعنوانی دور کرنے اور سبھی مذاہب کے درمیان امن چین اور برابری قائم کرنے کے لئے ہوئی ہے۔

2 میں خود بھی سیاست میں اقتدار پانے یا پیسہ کمانے نہیں آیا ہوں۔ میں انکم ٹیکس میں کمشنر کی نوکری کرتا تھا۔ چاہتا تو کروڑوں روپے کما سکتا تھا لیکن ایک پیسہ بھی نہیں کمایا۔ ہم پیسہ کمانے نہیں، انسان کمانے آئے ہیں۔ ہم ملک بدلنے آئے ہیں۔

3 پچھلے ایک سال میں میں نے دو بار لمبی لمبی بھوک ہڑتالیں کیں۔ پچھلے سال 15 بدعنوان وزیروں کو جیل بھجوانے کے لئے 10 دنوں کی بھوک ہڑتال کی۔ 10 دنوں تک محض پانی پی کر زندہ رہا۔ اس سال مارچ کے مہینے میں بجلی اور پانی کے بڑھے ہوئے بلوں کو کم کرانے کے لئے 15 دنوں تک بھوکا رہا۔ اقتدار اور پیسے کا لالچی آدمی کبھی اتنے دنوں تک بھوکا نہیں رہتا۔

4 دوسری سبھی پارٹیاں دلش کو لوٹنے میں ایک دوسرے سے ملی ہوئی ہیں۔ کہنے کو بھاجپا اور کانگریس الگ الگ ہیں لیکن اندر ہی اندر دونوں پارٹیوں میں اچھا تال میل ہے۔ پچھلے سال میں نے سونیا گاندھی کے داماد، رابرٹ واڈرا کے بدعنوانی کا انکشاف کیا۔ کیا یہ تعجب کی بات نہیں ہے کہ آج تک بھاجپا نے اس کا انکشاف نہیں کیا تھا۔ مجھے کچھ جانکار لوگوں نے بتایا کہ بھاجپا کے بڑے نیتاؤں کے پاس رابرٹ واڈرا کے سبھی کاغذات ڈیڑھ سال پہلے سے تھے۔ لیکن بھاجپا نے سارے کاغذات دبا دیئے۔ میں نے پچھلے سال دسمبر میں زیندر مودی کی 10 ہزار کروڑ سے زیادہ کی بدعنوانی کا خلاصہ کیا۔ یہ سبھی کاغذات کانگریس کے پاس پہلے سے موجود تھے۔ لیکن کانگریس نے مودی کی بدعنوانی کے خلاف کبھی آواز نہیں اٹھائی۔ یہ دونوں پارٹیاں ملی ہوئی ہیں اور ہم لوگوں کو بے وقوف بناتی ہیں۔ عام آدمی پارٹی نے پہلی بار زیندر مودی اور رابرٹ واڈرا جیسے بارسوخ لوگوں کی بدعنوانی کے خلاف آواز اٹھانے کی ہمت کی ہے۔

5 دلش کے جانے مانے وکیل پر شانت بھوشن جیسے لوگ عام آدمی پارٹی کے اہم رکن ہیں۔ مسلمانوں کو حق دلوانے کے لئے انہوں نے کئی لڑائیاں لڑیں ہیں۔ گجرات میں کئی مسلمانوں کو فرضی تصادم میں مار ڈالا گیا۔ اسی طرح عشرت جہاں کو بھی فرضی انکاؤنٹر میں مار دیا گیا۔ پر شانت بھوشن نے اس کے خلاف سپریم کورٹ میں کیس کیا ہے۔ وہ آج بھی ٹھلا ہاؤس کے جھوٹے انکاؤنٹر کے خلاف کورٹ میں انصاف کی لڑائی لڑ رہے ہیں۔ یہ سب انہوں نے اقتدار اور پیسہ کمانے کے لئے نہیں کیا۔ اس لئے عام آدمی پارٹی دوسری پارٹیوں سے مختلف ہے۔

6 'عام آدمی پارٹی' ملک کی سیاست میں انقلاب لانا چاہتی ہے۔ اس لئے ہم نے طے کیا ہے کہ ہم کسی بھی مجرمانہ شبیہ والے فرد کو ٹکٹ نہیں دیں گے۔ ایک خاندان سے ایک ہی فرد کو ٹکٹ ملے گا۔ ہماری پارٹی کا کوئی بھی وزیر ال بقی کی گاڑی نہیں لے گا، بڑا بنگلہ نہیں لے گا اور کوئی سیکورٹی نہیں لے گا۔ 'عام آدمی پارٹی' کا وزیر عام لوگوں کے بیچ عام لوگوں کی طرح رہے گا۔

'عام آدمی پارٹی' -- مسلمانوں کی آخری امید

آج سارے دلش کے لوگ کہہ رہے ہیں کہ ہماری نیت صاف ہے۔ دوسری پارٹیوں کی نیت خراب ہے۔ اگر کانگریس اور بھاجپا کی سرکار بنتی ہے تو دلش لٹتا رہے گا، فسادات ہوتے رہیں گے اور عام آدمی پستار ہے گا۔ لیکن اگر عام آدمی پارٹی کی سرکار بنتی ہے تو دلش سے بدعنوانی دور کرنے اور سبھی مذاہب کے درمیان امن چین قائم کرنے کی ایک ایماندارانہ کوشش کی جائے گی۔ دہلی میں کانگریس پارٹی کے خلاف زبردست غم و غصہ ہے۔ مختلف سروے دکھاتے ہیں کہ کانگریس بری طرح ہار رہی ہے۔ کانگریس کو ووٹ دینے کا مطلب ہے اپنا ووٹ بیکار کرنا۔ اور رہی بات بھاجپا کی تو بھاجپا فرقہ پرست پارٹی ہے۔ آج تک مسلمانوں کے پاس متبادل نہیں تھا۔ لیکن اب مسلمانوں کے پاس ایک ایماندار اور سیکولر متبادل ہے۔ اس لئے دہلی کے سبھی مسلمانوں سے اپیل ہے کہ آئیے عام آدمی پارٹی کے ساتھ مل کر صاف ستھری نئی سیاست کی شروعات کریں اور کسی کے دھوکے میں نہ آئیں جیسا کہ پچھلے 65 سالوں سے آپ کے ساتھ ہوتا آیا ہے۔

عام آدمی پارٹی

مسلمان بھائیوں، بہنوں، بزرگوں اور بچوں کے نام خط!!



”یہ خط میں اپنے سبھی مسلمان بھائیوں، بہنوں، بزرگوں اور بچوں کے نام لکھ رہا ہوں۔ الیکشن کا وقت ہے۔ آپ کو لگے گا کہ میں ووٹ مانگنے آیا ہوں۔ جی ہاں، میں بالکل ووٹ مانگنے آیا ہوں۔ میں چاہتا ہوں کہ دہلی کے مسلمان آنے والے اسمبلی انتخابات میں عام آدمی پارٹی کو ووٹ دیں۔ لیکن میں ووٹ اقتدار یا پیسہ حاصل کرنے کے لئے نہیں مانگ رہا ہوں۔ ہم آج کی گندی سیاست کو ختم کر کے بدعنوانی سے پاک ہندوستان کی تشکیل کرنا چاہتے ہیں، جہاں سبھی مذاہب کے لوگ سکھ شانتی اور امن چین کے ساتھ رہ سکیں۔“

— ارونڈ کیجریوال

کوئی شادی نہیں کرتا۔ یہ کہانی ہزاروں مسلم نوجوانوں کی ہے۔

آج مرکز اور دہلی دونوں جگہ پر کانگریس کی حکومت ہے۔ اگر کانگریس مسلمانوں کی حمایتی ہے تو مسلمانوں کو غلط کیسوں میں کیوں پھنسا جاتا ہے؟

اس میں قصور ہمارا بھی ہے۔ ہم سیاستدانوں کے بہکاوے میں کیوں آتے ہیں؟ 1984 میں دہلی میں سکھوں کا قتل عام ہوا تو سبھی سکھوں نے بے جے پی کا دامن تھام لیا۔ 2002 میں گجرات میں مسلمانوں کا قتل عام ہوا تو مسلمانوں نے کانگریس کا ہاتھ تھام لیا۔ کشمیر کے ایک حصے میں ہندوؤں کے ساتھ زیادتیاں ہوئیں اور اڑیسہ میں عیسائیوں کا قتل عام ہوا۔ ہم نے جا کر الگ الگ پارٹیوں کا دامن تھام لیا۔ لیکن ان پارٹیوں نے ہمیں ووٹ بینک کی طرح استعمال کرنے کے سوا ہمارا کوئی بھلا نہیں کیا۔ کانگریس نے مسلمانوں کا کوئی بھلا نہیں کیا اور بھلا جانے سکھوں کا کوئی بھلا نہیں کیا۔

مجھے سمجھ میں نہیں آتا کہ ہم سبھی مذاہب کے لوگ ایک ساتھ اکٹھے کیوں نہیں ہو جاتے؟ اگر ہم سب لوگ اکٹھے ہو گئے تو ہم سب اپنا بھلا خود کر لیں گے۔ یہ پارٹیاں ہمیں بانٹ کر اپنی سیاست کرتی ہیں۔ عام آدمی پارٹی اس گندی سیاست کو ختم کرنا چاہتی ہے اور سبھی دھرم کے لوگوں کو متحد کرنا چاہتی ہے۔ عام آدمی پارٹی اس دیش میں فسادات بند کر کے امن اور چین قائم کرنا چاہتی ہے۔ عام آدمی پارٹی مسلمانوں کو برابر کا حق دلانا چاہتی ہے، انہیں تحفظ دینا چاہتی ہے اور ان کے من سے دہشت دور کرنا چاہتی ہے۔

عام آدمی پارٹی مسلمانوں کے لئے کیا کرے گی؟

بنانا عام آدمی پارٹی کی سب سے اولین ترجیح ہوگی۔ اس مقصد کے لئے خواہ کتنی بھی رقم خرچ کرنا پڑے۔ سرکاری اسکولوں کا معیار پرائیویٹ اسکولوں سے بھی بہتر بنایا جائے گا اس کے لئے کئی نئے اسکول بھی کھولے جائیں گے۔ جب غریب مسلمان اور دیگر سبھی مذاہب کے غریب بچوں کو اچھی تعلیم ملے گی تو انہیں بہتر روزگار ملیں گے اور ان کے معیار زندگی میں تبدیلی آئے گی۔

3 اردو زبان: اردو زبان کو سبھی اسکولوں میں متبادل زبان کے طور پر نافذ کیا جائے گا۔
4 بچلی: شیلا دیکشت نے دہلی میں بچلی اتنی مہنگی کر دی ہے کہ عام آدمی کے لئے بچلی کا بل ادا کرنا ناممکن ہو گیا ہے۔ عام آدمی پارٹی دہلی میں بچلی کے ریٹ آدھے کرے گی نیز جن گھر پبلوکلشنوں پر بچلی چوری کے معاملے ہیں وہ خارج کئے جائیں گے۔

5 مفت پانی: شیلا دیکشت نے دہلی میں پانی اتنا مہنگا کر دیا ہے کہ عام لوگوں کے

میرے پیارے بھائیو، بہنو، بزرگو اور بچو!!

پچھلے 65 سالوں میں ہمارے ملک کے مسلمان کانگریس کو ووٹ دیتے آئے ہیں۔ کانگریس کو ووٹ دینا مسلمانوں کی مجبوری تھی۔ ہر بار انتخابات میں مسلمانوں کو بی جے پی کا ڈر دکھایا جاتا ہے۔ پھر کہیں بی جے پی اقتدار میں نہ آجائے، اس ڈر سے مسلمان کانگریس کو ہر بار ووٹ دیتے ہیں۔

کانگریس نے 65 سالوں میں مسلمانوں کو کیا دیا؟ سپر کمیٹی کو نافذ نہیں کیا، تقریباً 65 ہزار چھوٹے بڑے فسادات، پچھڑے ہوئے اردو میڈیم اسکول، مدرسوں کی بدحالی، سلاخوں کے پیچھے سڑتے بے گناہ مسلم نوجوان، بدعنوان وقف بورڈ، ریزرویشن کا جھنجھٹا، بے حس و بے یار و مددگار اقلیتی کمیشن۔ جتنا بڑا دھوکہ ہندوستانی مسلمانوں کے ساتھ کانگریس پارٹی نے کیا ہے، کسی اور نے نہیں کیا۔ کانگریس نے مسلمانوں کو جان بوجھ کر پچھڑا رکھا تاکہ انہیں ووٹ بینک کی طرح استعمال کیا جاسکے۔

آج ہمارے دیش کا مسلمان دہشت میں رہتا ہے۔ اپنے ہی ملک میں، اپنے ہی گھر میں مسلمانوں کے ساتھ کرایے دار جیسا سلوک کیوں ہوتا ہے؟ کئی مسلم نوجوانوں کو جھوٹے معاملوں میں پھنسا کر کئی کئی سالوں تک جیلوں میں رکھا جاتا ہے اور پھر چھوڑ دیا جاتا ہے کیونکہ سرکار کے پاس کوئی ثبوت نہیں ہوتا۔ اس نوجوان کی سوچے جو بے گناہ تھا اور جسے 10 سال جیل میں رکھنے کے بعد چھوڑ دیا جاتا ہے۔ اس کی تو زندگی برباد ہو جاتی ہے۔ اس کا خاندان برباد ہو جاتا ہے۔ چھوٹے کے بعد کوئی اُسے نوکری نہیں دیتا، اُس کی بہن سے

1 نظم و نسق: دہلی کے نظم و نسق کو درست کیا جائے گا۔ بے بس اور بے گناہ لوگوں کو جھوٹے معاملوں میں پھنسانے کی وارداتوں کو بالکل بند کیا جائے گا۔ اگر کوئی پولیس والا کسی بے گناہ کو جھوٹے کیس میں پھنساتا ہے تو اس پولیس والے کے خلاف سخت کارروائی کی جائے گی۔ عدالتی نظام کو درست کیا جائے گا تاکہ کسی بھی کیس کا فیصلہ 6 مہینے سے ایک سال میں آسکے۔ اگر کوئی قصور وار ہے تو اسے سزا دی جائے۔ بے قصور شخص کو 10 سالوں تک جیل میں نہ سڑنا پڑے اور اسے 1 سال میں ہی رہا کر دیا جائے۔ اس سے مسلمانوں میں دہشت کا ماحول ختم ہوگا اور وہ سکون کی زندگی جی سکیں گے۔

2 اچھی اور مفت تعلیم: آزادی کے 66 سالوں بعد بھی کئی مسلمان بہت غریب ہیں۔ غریب ہونے کی وجہ سے وہ اپنے بچوں کو سرکاری اسکولوں میں بھیجتے ہیں۔ سرکاری اسکولوں میں پڑھائی کی حالت بے حد خراب ہے۔ سرکاری اسکولوں میں تعلیمی معیار کو بہتر